अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

ISSN: 2348 – 2605 Impact Factor: 5.659 Volume 9-Issue 4, (October-December 2021)

आत्मनिर्भर भारतरू अवसर और चुनौतियां

डॉ0 रमेश कुमारए सह-आचार्यए राजनीतिक विज्ञान विभागए केंद्रीय विश्वविद्यालयए हरियाणा
ईमेल आईडी : कमूंस0001/लीववण्बवउ

सारांशरू.

आत्मनिर्भर भारत का विचार भारत के वर्तमान यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा दिया गया है। इसके अंतर्गत भारत को एक आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने संबंधी एक विजन को रखा गया है। इसका पहली बार सार्वजनिक रूप से उल्लेख 12 मई 2020 को किया गया था जब वह कोरोना महामारी संबंधी देश के अंदर एक आर्थिक पैकेज की घोषणा कर रहे थे। इसमें आशा यह की जा रही है कि यह अभियान कोरोना महामारी संकट से लड़ने में निश्चित ही एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली भूमिका निभाएगा और एक आधुनिक और सशक्त भारत को पहचान दिलवाएगा। इस मंत्र के तहत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 20 लाख करोड़ रुपए के राहत पैकेज की घोषणा की है जो देश की जीडीपी का लगभग 10: के बराबर है। श्आत्मनिर्भर भारतश् के इस अभियान के तहत देश के अंदर लघु और मध्यम उद्योगों के विकास के लिए कुल 16 प्रकार की घोषणाएं की गई है। जरूरतमंदोंए श्रमिकों और किसानों के लिए भी अनेक घोषणाएं इसमें की गई है जिनमें किसानों की आय को दोगुना करने के लिए 11 घोषणाएं भी शामिल है ।श्आत्मनिर्भर भारतश् के निर्माण में संसारवाद का बहिष्कार नहीं किया जाएगा बल्कि दुनिया के विकास को आगे बढ़ाने में मदद की जाएगी। श्आत्मनिर्भर भारतश् के इस अभियान को दो चरणों में लागू किया जाएगा जिसके प्रथम चरण में चिकित्साए प्लास्टिकए खिलौने और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को प्रोत्साहित किया जाएगा। जिससे स्थानीय निर्माण और निर्यात को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दिया जा सके एवं इसके दूसरे चरण में रतन एवं आभूषणए स्टील क्षेत्र व फार्मा क्षेत्र को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया जाएगा इस शोधपत्र का मुख्य उद्देश्य है भारत में श्आत्मनिर्भर भारतश् की संकल्पना की व्याख्या करना और उसके सामने मुख्य रूप से अवसर और चुनौतियां को उजागर करना है। इस शोधपत्र में मुख्य रूप से प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों का प्रयोग किया गया है।

मुख्य शब्दरू. आत्मनिर्भरता वैश्वीकरण महामारीए पैकेजए संकटए अभियान

परिचयरू.

बहुत लम्बे समय तक ज्ञानए धर्मए शक्तिए धन व संपदा के क्षेत्र में भारत लगभग एक सहस्त्र वर्ष की पराधीनता के अपमान सहने के बाद आज अपने खोए गौरव व सम्मान को पुन प्राप्त कर विश्व गुरु राष्ट्र बनने की ओर अग्रेषित है। 15 अगस्त 1947 को प्राधीनता कि बेड़ियों को तोड़ने के साथ ही स्वतंत्र लोकतंत्र के रूप में स्वयं को स्थापित करने के

ISSN: 2348 – 2605 Impact Factor: 5.659 Volume 9-Issue 4, (October-December 2021)

साथ ही भारत ने ज्ञान.विज्ञान को विकास का आधार बनाकर पुनः प्रगति के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। भारत में आधुनिक विज्ञान के क्षेत्रों में बहुत लंबी छलांग लगाई है। [1]

श्आत्मनिर्भर भारत अभियानश राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए संजीवनी का तथा भारत के श्रमिकोंए उद्योगपतियों व किसानों के लिए एक बहुत विराट संभल का काम करेगाए जिससे वह गिर कर हताश होने के स्थान पर खड़े होकर एक नई ताकत से पुनः दौड़ पड़ेंगे श्उत्तिष्ठ जागृतए चरैवेतिए चरैवेतिए चरैवेतिश।

वैश्विक कोविड.19 महासंकट पर भारत में अभूतपूर्व सफल नियंत्रण के बाद आत्मविश्वास से भरे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 12 मई 2020 को अपने राष्ट्र के प्रति संबोधन में केवल भारत को ही नहीं बल्कि पूरे विश्व को एक युगांतकारी संदेश दिया। हमें केवल आर्थिक विकास ही नहीं बल्कि मानव के बहुमुखी विकास के लिए लक्ष्य निर्धारित करने होंगे।

केवल आत्म केंद्रित आत्मनिर्भरता नहींए अपितु परस्पर एक दूसरे पर निर्भर होते हुए आत्मनिर्भरता की रणनीति को अपनाना होगा परंतु कोरोना महामारी पर प्रभावी नियंत्रण बनाने के लिए राष्ट्र को बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है । पहले लॉकडाउन के समय भारतीय प्रधानमंत्री का यह अमृत वाक्य था श्जान है तो जहान हैश। पिछले महीनों से उत्पादनए बाजारए रेल और सड़कों पर आवाजाही भी बंद रही है। राष्ट्रीय आय के सभी प्रकार के स्त्रोत उत्पादन शुल्कए आयात.निर्यात शुल्कएजीएसटीएए यहां तक कि आयकर की आमद भी बंद रही। दूसरी ओर कोरोना से निपटने के लिए महायुद्ध स्तर की तैयारी करनी पड़ी है। नए.नए अस्पतालए टेस्टिंग किटए पीपीई किट के उत्पादन और दवाइयों की भरपूर मात्रा दूसरे देशों के नागरिकों के इलाज के लिए भेजने लायक भी व्यवस्था की गई। संपूर्ण प्रशासनए स्वास्थ्य एवं स्वच्छता कर्मी पूरी ताकतए लग्न और बलिदान के भाव से अपने और अपने परिवार की चिंता किए बगैर सेवा के कार्य में जुटे रहे।

इस वैश्विक महामारी ने हमारी आर्थिक व्यवस्था को पूरी तरह झकझोर कर रख दिया है। देश में उद्योग धंधे बिल्कुल ठप हो गए हैं। मजदूर सड़कों पर हैं। किसान को खेतों में बेखबर होना पड़ रहा है। दिहाड़ीए मजदूरोंए ठेला और रेहड़ी वालों के सामने रोजी.रोटी का संकट आ खड़ा हुआ है। ऐसे में हमने कोविड.19 को नियंत्रण में रखने में एक हद तक तो सफलता पा ली है परंतु अब उससे भी बड़ी चुनौती हमारे सामने यह खड़ी है कि पुनः

ISSN: 2348 – 2605 Impact Factor: 5.659 Volume 9-Issue 4, (October-December 2021)

देश को अपने पैरों पर कैसे खड़ा किया जाएद्व इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश की जनता के आत्मविश्वास को मजबूत बनाने के लिए एक साथ बहुत बड़े राहत पैकेज कि श्आत्मनिर्भर भारत योजनाश् प्रस्तुत कर दी है। 20 लाख करोड रुपए की रकम राष्ट्र की संपूर्ण अर्थव्यवस्था के मूल्य का 10ः तक होती है। इस राहत पैकेज में असहाय आय वर्गए छोटे और घरेलू उद्योगए किसानोंए श्रमिकों और लाखों की संख्या में गांव की ओर पलायन कर रहे प्रवासी मजदूरों का विशेष ध्यान रखा गया है। [2]

आत्मनिर्भर भारत अभियान क्या हैरू.

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कोविड.19 कॉल के इस दौर में भारत की अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए 20 लाख करोड़ रुपए के राहत पैकेज का ऐलान किया था। इस राहत पैकेज को आत्मनिर्भर भारत अभियान का नाम दिया गया है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का कहना है कि इस राहत पैकेज से भारत में लोगों को कामकाज करने की बहुत सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी और अंततः यह कोशिश भी की जाएगी कि अगले कुछ सालों में भारत प्रत्येक क्षेत्र में स्वावलंबी हो जाए। इस हिसाब से इस अभियान का नाम आत्मनिर्भर भारत अभियान रखा गया है।[3]

इस अभियान के लोन के तहत डैडम् लोनए किसान क्रेडिट कार्डए शिशु मुद्रा ऋणए क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडीए अन्य सब्सिडी तथा विभिन्न प्रकार की योजनाएं शामिल है। आत्मनिर्भर भारत योजना में सबसे ज्यादा ध्यान इरादाए समावेशनए निवेशए बुनियादी ढांचा और इनोवेशन पर दिया जाएगा। जिससे भारत वैश्विक स्तर पर समृद्ध और संपन्न बन सके।[4]

आत्मनिर्भर भारत के पांच मुख्य स्तंभरू.

1ण् अर्थव्यवस्थारू. जो विकासशील परिवर्तन के स्थान पर एक बहुत बड़ी उछाल पर आधारित हो।

2ण् अवसरंचनारू ऐसी रचना जो आधुनिक और समृद्ध भारत की पहचान बने।

3ण् प्रौद्योगिकीरू 21वीं शताब्दी प्रौद्योगिकी संचालित व्यवस्था पर आधारित प्रणाली हो।

4ण् गतिशीलजनसांख्यकीरू जो भारत के लिए ऊर्जा का स्त्रोत बने।

5ण् मांगरू. भारत की मांग और आपूर्ति श्रंखला की पूरी क्षमता का उपयोग सही रूप में किया जाए।

ISSN: 2348 – 2605 Impact Factor: 5.659 Volume 9-Issue 4, (October-December 2021)

आत्मनिर्भर भारत के मुख्य आयामरू.

1ण आज वैश्वीकरण के इस दौर में आत्मनिर्भरता की परिभाषा में बहुत बदलाव आया है आत्मनिर्भरता आत्म केंद्रित से बिल्कुल अलग है

2ण भारत पूरा विश्व एक परिवार है की संकल्पना में विश्वास करता है क्योंकि भारत दुनिया का ही एक हिस्सा है इसलिए भारत प्रगति करता है तो ऐसा करके वह दुनिया के विकास में भी योगदान देता है।

3ण आत्मनिर्भर भारत के सिद्धांत में बहिष्करण या संरक्षणवाद को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा अपितु दुनिया के सभी देशों के विकास में मदद की जाएगी।

4ण आत्मनिर्भर भारत के सिद्धांत के पहले पड़ाव में कपड़ोंए इलेक्ट्रॉनिक्सए प्लास्टिकए खिलौने जैसे विभिन्न क्षेत्रों को प्रोत्साहित किया जाएगा तथा दूसरे पड़ाव में रत्नए आभूषणए फार्मा व स्टील जैसे अन्य क्षेत्रों को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

5ण भारत सरकार ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में 10 मुख्य क्षेत्रों की पहचान की है जिनमें घरेलू उत्पादन के स्तर को बढ़ावा दिया जाएगा तथा सरकार ने इन क्षेत्रों के आयात में कटौती का भी निर्णय लिया है। यह क्षेत्र मुख्यत फर्नीचरए फुटवियरए एयर कंडीशनए पूंजीगत सामानए मशीनरी मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिकए रतन व आभूषणए फार्मास्यूटिकल्स व टेक्सटाइल इत्यादि शामिल है।[5]

आत्मनिर्भरता किन.किन क्षेत्रों में कैसी होद्ध

आत्मनिर्भरता किन.किन क्षेत्रों में कैसी होनी चाहिएद्ध इसका उदाहरण भी भारत ने पेश किया है। आर्थिक दृष्टि से समृद्ध होने से ही कोई आत्मनिर्भर नहीं बनता बल्कि सबसे मजबूत राष्ट्र अमेरिका को दवाइयांए मास्क और प्रोटेक्टिव किट के लिए चीन के पास प्रार्थनाएं ने भेजनी पड़ती और उससे नकली और घटिया समान ने लेने पड़ते। समृद्ध और ताकतवर देश होना एक बात हैए आत्मनिर्भर होनाए स्वावलंबी होना और स्वालंबन के आधार पर अपने राष्ट्रीय स्वाभिमान को जिंदा रखना एक अलग बात होती है। दुनिया में बहुत मजबूत अर्थव्यवस्थाओं वाले देश इन कठिन परिस्थितियों में दयनीय अवस्था में जीवन यापन कर रहे हैं क्योंकि वे जिस अर्थव्यवस्था मेंए जिस प्रकार के विकास की अवधारणा में जी रहे

ISSN: 2348 – 2605 Impact Factor: 5.659 Volume 9-Issue 4, (October-December 2021)

थेए वह आत्मनिर्भरता पर आधारित नहीं थी। आत्मनिर्भरता का मतलब अपनी जरूरतों को पूरा करते हुए दूसरों की जरूरतों को पूरा कर सकने की क्षमता का होना है। यह आत्मनिर्भरता स्वालंबन से आगे की बात है।[6]

आत्मनिर्भर भारत के सामने मुख्य चुनौतियांरू.

आत्मनिर्भर भारत अभियान के सामने आने वाली मुख्य चुनौतियां कुछ इस प्रकार से है।

1ण प्रवासी मजदूरों की समस्यारू.

करोना काल के संकट में यह ध्यान आया कि प्रवासी मजदूर बड़े शहरों को छोड़कर अपने गांव में चले गए। ऐसे में अनेक उद्योग बंद हो गए क्योंकि उनके रहने खाने की व्यवस्था नहीं थी।

2ण्इंफ्रास्ट्रक्चर की कमीरू.

भारत जैसे विकासशील देश में आज भी इंफ्रास्ट्रक्चर की काफी कमी है। हमारे यहां मशीनेंए उपकरण व कच्चा माल आज भी विदेशों से मंगवाना पड़ता है। सड़कए बिजली व पानी जैसी आवश्यक चीजों की कमी भी देखने को मिलती है।

3ण्सुलभ बाजारों का अभावरू.

सुलभ बाजारों की व्यवस्था विकास के मार्ग को प्रशस्त करती है। पक्की सड़कें और आसपास बाजारों की उचित व्यवस्था होने से क्रेता और विक्रेता अपने सामान को सही समय पर खरीद व बेच सकते हैं लेकिन भारत में बाजारों और मंडियों की गांव के क्षेत्र में भारी कमी देखने को मिलती है।[7]

4ण सत्ताधारी वर्ग द्वारा सर्वहितकारी नीतियों की बजाय बहुमत हितकारी नीतियों को प्राथमिकतारू.

भारत में हमेशा सत्ताधारी वर्ग के द्वारा वोट बैंक के चलते सर्वहितकारी नीतियों को प्राथमिकता नहीं दी जाती है जिसके चलते देश को नुकसान उठाना पड़ता है।[8]

5ण उत्पादों की गुणवत्ता का स्तर निम्नरू.

देश के अंदर जितने भी उत्पाद बनाए जाते हैं उनकी गुणवत्ता का स्तर वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के अनुकूल नहीं है।

6ण वित्तीय और तकनीकी संसाधनों की कमीरू.

ISSN: 2348 – 2605 Impact Factor: 5.659 Volume 9-Issue 4, (October-December 2021)

वित्त विकास का आधार होता है इसलिए आत्मनिर्भरता के अभियान को आगे बढ़ाने के लिए वित्तीय और तकनीकी संसाधनों की आवश्यकता होगी जोकि वर्तमान में भारत के पास उस स्तर की उपलब्ध नहीं है।

7ण आगामी दिनों में अगर भारत द्वारा आयात में कटौती की जाती है तो इसे विश्व व्यापार संगठन में भी चुनौती दी जा सकती है।[9]

आत्मनिर्भर भारत अभियान को सफल बनाने के सुझावरू.

1ण आर्थिक विकास का मुख्य केंद्र गांवरू.

आर्थिक विकास की नीतियां राष्ट्रीय स्तर पर ना बन कर के जिला आधारित हो वह उनका मुख्य के अंदर गांव होना चाहिए जिससे पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को भी लाभ पहुंच सके।

2ण ऑनलाइन ग्रामीण शहरी रोजगार सूचना केंद्ररू.

यदि ग्रामीण स्तर पर ऑनलाइन ग्रामीण शहरी रोजगार सूचना केंद्र स्थापित हो जाता है तो इससे स्थानीय सूक्ष्म और मध्यम उद्योगों में रोजगार के रास्ते खुलेंगे और इससे बेरोजगारी की समस्या का निदान ही नही निकलेगाए अपितु पलायन की समस्या का भी समाधान हो जाएगा।

3ण लघु व कुटीर उद्योगों का विकास रू.

ग्रामीण क्षेत्र में लघु व कुटीर उद्योग जैसे हथकरघा उद्योगए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं ग्राम उद्योग के विकास पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार का निर्माण हो और स्थानीय उत्पादों को विश्व स्तर की पहचान मिल सके।[10]

4ण उद्योगों का विकेंद्रीकरणरू.

औद्योगिकरण की नीति में बदलाव करके विकास की धारा को गांवए कस्बों एवं छोटे शहरों तक लाया जा सकता है।

5ण बाहरी निवेश को आकर्षित करनारू.

भारत में विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे का विकास करके विदेशी कंपनियों को निवेश के लिए आकर्षित किया जा सकता है।

ISSN: 2348 – 2605 Impact Factor: 5.659 Volume 9-Issue 4, (October-December 2021)

6प शिक्षा में सुधार एवं श्रम सुधार के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को संभव बनानारू.

आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को केवल आर्थिक सुधारों के माध्यम से ही नहीं बल्कि शिक्षा में सुधार के माध्यम सेए सिविल सेवा सुधारए कौशल सुधार व श्रम सुधार करके ही संभव बनाया जा सकता है।

7प मजबूत वित्तीय प्रणाली का विकास रू. भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए न सिर्फ कर प्रणाली को आसान बनाना होगा बल्कि इसके लिए ऋण और वित्त की कमी से निपटने के लिए भी एक मजबूत वित्तीय प्रणाली संरचना का विकास करना होगा। इसके लिए निजी क्षेत्र की मदद भी ली जाएगी।

8प आरएंडडी पर व्ययरू.

भारत जैसे देश में बड़ी समस्या गुणवत्ता की नहीं बल्कि प्रबंधनए कौशल व तकनीकी ज्ञान की है। आरएंडडी पर सही मात्रा में खर्च करके इन समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

9प मजदूरों की समस्याओं का समाधानरू.

भारत ग्रामीण आंचल वाला देश है आत्मनिर्भरता अभियान को आगे बढ़ाने के लिए गांव को एक यूनिट मानकर आर्थिक नीतियां बनानी होंगी इसके लिए विकास का प्रभाव निचले स्तर से ऊपरी स्तर ;बॉटम टू टॉपद्ध की ओर होना चाहिए।[11]

निष्कर्षरू.

भारत पीएम नरेंद्र मोदी आत्मनिर्भर भारत अभियान को लेकर कहा कि हमारा लक्ष्य राष्ट्र को आत्मनिर्भरए सुदृढ़ अर्थव्यवस्था और बढ़िया इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ खड़ा करना है। किसी भी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर और आत्मनिर्भरता की खासी अहमियत होती है। मोदी जी ने कहा कि हम आत्मनिर्भरता के मंत्र से ही 21वीं शताब्दी को हिन्दुस्तान की सदी में तब्दील कर सकते हैं। विशेष रूप मे आर्थिक पैकेज की घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन लोगों से बहुत आगे निकल गएए जो राष्ट्र की अर्थव्यवस्था के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज भर की मांग कर रहे थे। उन्होंने नए भारत का खाका खींचा हैए जो लोकल के साथ.साथ वोकल भी होगा और ग्लोबल भी होगा।

ISSN: 2348 – 2605 Impact Factor: 5.659 Volume 9-Issue 4, (October-December 2021)

आत्मनिर्भर भारत का निर्माण ही नया मंत्र होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा की आत्मनिर्भरता सुख.शांति लाएगीए संतुष्टि लाएगी और राष्ट्र को सशक्त बनाएगी।

आत्मनिर्भरता शब्द पिछले कुछ दशकों में राष्ट्र के शब्दकोष से विलुप्त ही हो गया था। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इसे सम्मान दिया है और एक बार फिर हमारे चिंतन.मनन में इसे स्थान दिया है।

कोरोनावायरस ने वैश्वीकरण की संकल्पना को करारा झटका दिया हैए उसकी कमियां प्रकट कर दी हैं और उजागर कर दिया है कि यदि भारत विश्व में विश्वास व उत्साह के साथ आगे बढ़ना चाहता है तो उसे अपनी आंतरिक शक्ति का निर्माण करना ही होगा। यह आत्मनिर्भरता के सिद्धांत से ही स्थपित हो सकता है।
भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में स्वदेशी के विचार।ने सबको एकजुट कर दिया था। उसने भारतीयों को औपनिवेशिक के साथ लड़ाई के लिए एकत्रित किया। राजनीति के बगैर अपने नए अवतरण में आत्मनिर्भरता 21वीं शताब्दी में भारत के निर्माण में सहायक हो सकती है। हमें आत्मनिर्भरता के गांधीवादी मॉडल के प्रमुख बिंदुओं पर नए तरीके से विचार करना चाहिए। इसमें सतत विकासए स्थानीय कौशल एवं संसाधनों के सही इस्तेमाल से स्थानीय उत्पादन शामिल है। इन विचारों पर वर्तमान परिप्रेक्ष्य में नए सिरे से विचार करना होगा।

कोरोनावायरस संकट ने सुदृढ़ए विश्वास भरे और मिलकर काम करने वाले भारत के पुनर्निर्माण का जो अवसर दिया हैए उसे हम गंवा नहीं सकते है। यह भारत अपने प्रगति के लिए ही नहीं बल्कि समूचे संसार के विकास के लिए काम करता है। वसुधैव कुटुंबकम हमारी विदेश नीति और दुनिया के साथ जुड़ाव का आधार बनेए यह हमारी ही जिम्मेदारी है।

कोरोना वायरस के कारण उपजी हुई परिस्थितियों के बाद देश के नागरिकों को सशक्त करने की बहुत आवश्यकता है ताकि वह देश से जुड़ी सभी प्रकार की समस्याओं का निदान कर सके तथा एक अच्छे राष्ट्र का निर्माण करने में योगदान दे सके। आत्मनिर्भर भारत अभियान के सामने अनेकों चुनौतियां मुंह खोले खड़ी है। इन सभी के बावजूद भारत

ISSN: 2348 – 2605 Impact Factor: 5.659 Volume 9-Issue 4, (October-December 2021)

को औद्योगिक क्षेत्र में मजबूती के लिए उन उद्योगों में निवेश करने की बहुत आवश्यकता है जिनमें भारत के वैश्विक ताकत के रूप में उभरने की संभावना विद्यमान हो। इस दिशा में कार्य करते हुए भारत सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत 20 लाख करोड रुपए के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की है। आत्मनिर्भर राहत पैकेज के माध्यम से न केवल छोटे और मध्यम उद्यमों के क्षेत्र में सुधार की घोषणा की गई अपितु इसमें लम्बी अवधी के सुधारों जिनमें कोयला और खनन जैसे क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है।

हमें अपने भारत देश को ना सिर्फ आत्मनिर्भर देश बल्कि एक सर्वश्रेष्ठ और विश्वसनीय भारत बनाना होगा। इसमें हमारे युवा साथी अपनी उर्जा जोश व नए विचारों से नए.नए तरह के उद्योगोंए अविष्कारों को जन्म देकर आत्मनिर्भर भारत बनाने में एक महत्वपूर्ण व प्रभावशाली भूमिका निभा सकते हैं। देश के बड़े.बड़े उद्योगपतियों व सरकार इन लोगों को आर्थिक मदद देकर प्रोत्साहित कर सकती है। जब भारत में ही हर तरह की वस्तुओं का पूर्ण गुणवत्ता के साथ बनाया जाएगा तो भारत देश को अपनी जरूरत के लिए किसी अन्य देश की तरफ देखना नहीं पड़ेगा। देश के अंदर कोई कंपनी व कारखाना खोल कर लोगों को रोजगार देगा तो अन्य कुटीर उद्योगों से अपने लिए स्वरोजगार पैदा करेगाए कोई अपने गांव में मिलने वाले सामान को लोकल से ग्लोबल बनाएगा तो कोई नया अविष्कार कर एक नई मिसाल को कायम करेगा यानी बड़े अपने अनुभव से और नव युवा साथी अपनी मेहनत से आत्मनिर्भर भारत अभियान के सपने को साकार करने का प्रयास करेंगे।

संदर्भ सूचीरू.

1प् पाञ्चजन्यए 20 अगस्तए 2020

2प् हिंदी विवेकए 24 अगस्तए 2020

3प् द इकोनामिक टाइम्सए 15 मई 2020

4ीजजचेरूध्ध्ूूूण्चचसपबंजपवदवितउचकण्बिवउध्जउं.दपतईींत.ईींतंज.ईीपलंद.चकि.किवूदसवंकध् सेंज तमजतपमअमक वद 12 उंलए 2021

ISSN: 2348 – 2605 Impact Factor: 5.659 Volume 9-Issue 4, (October-December 2021)

5ण ीजजचेरूध्ध्ूण्कीलमलंपेंण्बवउधीपदकपध्बनततमदज.ंिपितेध्ंतजपबसमेध्कपउमदेपवदे.वि.जिउदपतईींत.ईींतंज सेंज

तमजतपमअमक वद 14 उंलए 2021

6ण्दैनिक जागरणए 15 जूनए 2020

7ण्हिंदुस्थान समाचारए 29 जूनए 2020

8ण्प्रभा साक्षीए 16 मईए 2020

9णीजजचेरूध्ध्ूण्कतपीजपपेंण्बवउधीपदकपध्कंपसल.नचकंजमेध्कंपसल.दमूे.दंसलेपेध्दममक.जव.उंम.पदकपं.मसि.तिमसपंदज सेंज

तमजतपमअमक वद 17 उंलए 2020

10ण्दैनिक जागरणए 10 जूनए 2020

11ण्वहीए 10 जूनए 2020